

हरदिवार-ऋषिकेश के लिये री-डेवलपमेंट प्लान, दून में बनेगी कैपिटल सट्टी

चर्चा में क्यों?

5 अप्रैल, 2023 को मीडिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धर्मनगरी हरदिवार और योग नगरी ऋषिकेश की ऐतिहासिक वरिष्ठताओं का संरक्षण करते हुए राज्य सरकार री-डेवलपमेंट प्लान ला रही है। वहीं, रायपुर में कैपिटल सट्टी और जौलीग्रैंट में एयरोसट्टी नरिमाण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ने लगी है।

प्रमुख बट्टि

- मैकेंजी ग्लोबल ने हाल ही में इस बदलाव का प्रस्तुतकिरण भी दया है। इसके तहत कृषि भूमिका अधगिरहण कर उस पर ग्रीन फील्ड टाउनशपि वकिसति करने की भी योजना है।
- हरदिवार में चार कषेत्रों देवपुरा से भूपतवाला (दूधा धारी चौक), हर की पौड़ी और आसपास के 1.5 कमी. कषेत्र, कनखल कषेत्र में दक्ष मंदिर व सन्यास रोड और भूपतवाला से सप्तऋषि आश्रम में भारत माता मंदिर तक हेरटिज मास्टर प्लान तैयार कया जा रहा है।
- इसके तहत भारत माता मंदिर, हर की पौड़ी, मनसा देवी, माया मंदिर, नारायणी शाला मंदिर, सती कुंड, दक्ष मंदिर, हनुमान मंदिर और चंडी देवी मंदिर को शामिल कया जाएगा। जबकि ऋषिकेश में तीन कषेत्रों को इसके लिये चनिहता कया गया है।
- जानकारी के अनुसार राज्य सरकार रायपुर में 85 हेक्टेयर भूमि पर कैपिटल सट्टी बनाने जा रही है। इसके लिये वन वभिग ने 60 हेक्टेयर ज़मीन भी दे दी है।
- रायपुर में कैपिटल सट्टी बनाने से सरकार की करीब 200 एकड़ भूमि पर बनी सरकारी इमारतें खाली हो जाएंगी। मैकेंजी ग्लोबल का आकलन है कथिह संपत्ता 5000 से 6000 करोड़ कीमत की होगी। इसस शहरों में बड़े पैमाने पर वकिस का खाका तैयार हो सकेगा। वहीं, इन कषेत्रों में नरिमाण पर एकसटरनल डेवलपमेंट चार्ज देना होगा।
- यह कैपिटल सट्टी उत्तर में रायपुर से थानो रोड तक, दक्षिण में हरदिवार रोड तक, पश्चिम में ऑर्डनेंस फैक्ट्री सीमा को छोड़कर नाले के पूरब तक और पूरब में भोपालपानी, बडासी ग्रैंट व कालीमाटी ग्राम की सीमा तक बनेगी।
- 60 हेक्टेयर भूमि पर सचवालय, वधिानसभा, नदिशालय, प्रोजेक्ट ऑफिस बनेंगे। जबकि महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के पास 25 हेक्टेयर ज़मीन पर आवासीय और व्यावसायिक प्रोजेक्ट का नरिमाण कया जाएगा। नज्ी नविश करने वालों को यहाँ 30 साल तक छूट मिलेगी।
- जौलीग्रैंट एयरपोर्ट के पास राज्य सरकार एयरोसट्टी बनाने जा रही है। इसमें इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी, मेडकिल, हॉस्पिटलिटि और कॉमर्शयिल कांप्लेक्स बनेंगे। यहाँ एयरपोर्ट से संबंधित इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग, हेलीपोर्ट, नाइट लैंडिंग की सुवधि भी मलि सकती है।
- इससे पाँच से छह हजार युवाओं को रोजगार मलिया। हर साल यहाँ पाँच से छह हजार करोड़ का कारोबार होगा। राज्यवासियों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुवधिएँ मलि सकेंगी।
- यह 100 एकड़ ज़मीन पर बनेगा। इसमें 50 एकड़ में आईटी सट्टी, 20 एकड़ में मेडिसट्टी, 15 एकड़ में कॉमर्शयिल और 15 एकड़ में हॉस्पिटलिटि का प्रोजेक्ट बनेगा।
- यहाँ वदिशों की तर्ज पर पार्क स्थापति कया जाएगा। पार्क में जॉगिंग, साइकलिंग ट्रैक और ध्यान लगाने के लिये हट की व्यवस्था होगी। साथ ही लैंड स्केपिंग और आस्ट्रेलियन ग्रास लगाने पर वचिार चल रहा है। वहीं, हर मौसम में पार्कों में फूल और हरयिली नज़र आएगी।